

साप्ताहिक

कोबरा डॉट कोम

वर्ष : 17

अंक : 35

भोपाल गुरुवार 24 सितंबर 2026

पृष्ठ : 8

मूल्य : 2 रुपये

कूनो में 1 अक्टूबर से सफारी का रोमांच, पहली बार खुले जंगल में दिखेंगे 16 चीते

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

श्योपुर। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में सफारी का रोमांच इस बार अपने चरम पर होने वाला है। 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए पर्यटन सत्र में सैलानियों को एक बड़ा तोहफा मिलने जा रहा है। पिछले चार सालों में ऐसा पहली बार होगा जब अक्टूबर की शुरुआत में ही 16 चीते खुले जंगल में घूमते नजर आएंगे। चीतों के इस खुले दीदार से पार्क प्रबंधन को उम्मीद है कि इस बार पर्यटकों की संख्या पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो सकती है। पिछले सीजन में कूनो में चीतों का दीदार करने करीब 9,117 पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन इस बार खुले जंगल में 16 चीतों की मौजूदगी को देखते हुए प्रबंधन ने करीब 20 हजार पर्यटकों के आने का अनुमान जताया है। सैलानियों की इस संभावित भीड़ से श्योपुर के स्थानीय होटल संचालकों, सफारी वाहनों और गाइडों समेत दर्जनों कारोबारों में जबरदस्त उछाल आने की उम्मीद है। पर्यटकों की बढ़ती तादाद को देखते हुए सुविधाओं में भी इजाफा किया जा रहा है। अब तक सफारी की ऑफलाइन टिकट सिर्फ टिकटोली, अहेरा और पीपलवाड़ी (विजयपुर) गेट से ही मिलती थी। लेकिन 1 अक्टूबर से श्योपुर जिला मुख्यालय पर स्थित कूनो कार्यालय में भी चौथा बुकिंग काउंटर शुरू हो जाएगा। इस नई व्यवस्था से सैलानियों को सफारी बुकिंग के लिए सीधे पार्क के गेट तक भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी।

FIR होते ही सामने आया

जहांगीराबाद के पूर्व TI राजन सिंह का वीडियो, बोले- सच्चाई जल्द ही सबके सामने आ जाएगी

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के तत्कालीन टीआई राजन सिंह अहिरवार के खिलाफ एफआईआर (FIR) दर्ज होने के बाद उनका एक वीडियो मैसेज सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में राजन सिंह ने भावुक और कड़े शब्दों में अपना पक्ष रखते हुए पूरे मामले को लेकर कई बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि कहना बहुत कुछ चाहता हूँ, लेकिन कह नहीं सकता। हालांकि सत्य हमेशा सूर्य के समान होता है और बादल कितने भी घने हों, एक दिन छंटेंगे। वीडियो में पूर्व टीआई राजन सिंह ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि वे किसी गलत काम या आपराधिक गतिविधि के कारण सस्पेंड नहीं हुए हैं। राजन सिंह ने दावा किया कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और उनके साथी पुलिसकर्मी सच्चाई से वाकिफ हैं और इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि तथ्यों और साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच के बाद सच्चाई जल्द ही सबके सामने आ जाएगी। अपने बयान में पूर्व टीआई ने एक महिला अधिकारी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने मांग की कि संबंधित महिला अधिकारी को इस जांच और मामले की प्रक्रिया से पूरी तरह दूर रखा जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वह महिला अधिकारी पुलिसकर्मियों को बेवजह मानसिक तनाव देती हैं, जिससे अधीनस्थ कर्मचारियों का काम करना मुश्किल हो जाता है।

पार्वती नदी में भैंसों के आगे न्याय की गुहार, बिजली लाइनों को लेकर 500 से ज्यादा किसानों का जल सत्याग्रह

सीहोर। विद्युत मंडल की कथित लापरवाही और झूलती बिजली लाइनों की समस्या को लेकर सीहोर व शाजापुर जिले के किसानों का पार्वती नदी में तीसरे दिन भी जल सत्याग्रह जारी रहा। किसानों ने गहरे पानी में भैंसों को खड़ा कर उनके आगे नारे लगाते हुए कहा कि सरकार हमारी आवाज नहीं सुन रही, अब भैंसों के आगे अपनी आवाज सुना रहे हैं। किसानों का आरोप है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों और घरों के ऊपर 11 केवी व एलटी बिजली लाइनें झूल रही हैं, जिससे करंट की चपेट में आकर किसान घायल हुए हैं तथा कई स्थानों पर पशुओं की मौत भी हुई है। वहीं ग्रामीण उपभोक्ताओं को अधिक बिजली बिल आने की शिकायत भी किसानों ने उठाई है। किसानों ने विद्युत मंडल सीहोर के अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री श्यामपुर पर मुकदमा कायम करने एफआईआर करने की मांग को लेकर किया जा रहा जल सत्याग्रह जिले के 25 से अधिक गांवों तथा शाजापुर जिले के कुछ गांवों के 500 से अधिक किसान पिछले करीब दो माह से अलग-अलग तरीके से आंदोलन कर रहे हैं।

ट्रेनिंग सेंटर बनने तक सांदीपनि विद्यालय भवन-परिसरों में होगा सेवादूतों का प्रशिक्षण

सिंहस्थ सेवादूतों के लिए भोपाल में बनेगा अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिंहस्थ : 2028 के लिए 15

हजार से अधिक स्वयं सेवक

संभालेंगे सेवा का मोर्चा

सिंहस्थ सेवा कार्य के लिए

मुख्यमंत्री निवास में हुई भारत

स्काउट एण्ड गाइड की विशेष

संगोष्ठी

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

भोपाल, जसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। इसके भव्य और दिव्य आयोजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के साथ पूरी क्षमता के साथ तैयार होना होगा। यह हम सबका दायित्व है कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में भारत स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों एवं गाइड्स के साथ सिंहस्थ सेवा कार्य 2028 के संदर्भ में आयोजित एक विशेष संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ में भीड़ नियंत्रण सहित कई प्रकार की व्यवस्थाएं संभालने वाले स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर, सेवादूतों एवं स्वयं सेवकों के विधिवत् प्रशिक्षण के लिए



भोपाल में एक अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर के बनने एवं इसमें प्रशिक्षण शुरू होने तक आवश्यकतानुसार सांदीपनि विद्यालय के भवनों एवं परिसरों का इस्तेमाल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा, भारत स्काउट एवं गाइड का मूल मंत्र है और 'तैयार रहो' इसका ध्येय वाक्य। स्काउट एंड गाइड ने अपने कार्य के आधार पर दुनिया में अलग ही पहचान बनाई है। पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से उज्जैन सिंहस्थ के आयोजन में इस संगठन की कार्यशैली, सामर्थ्य और समर्पण को करीब से देखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुरक्षित और सुव्यवस्थित सिंहस्थ कराना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ : 2028 सेवा-भाव, प्रबंधन क्षमता और सुशासन की व्यापक परीक्षा भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी संदर्भ में अपील करते हुए कहा कि आप सबको

सेवा के लिए, किसी भी चुनौती और अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए हमेशा की तरह तैयार रहना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आजादी के बाद हुए पांच सिंहस्थों में भारत स्काउट-गाइड ने सेवा के कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। सिंहस्थ 2028 में भीड़ प्रबंधन की चुनौती सबसे बड़ी होगी। उज्जैन सिंहस्थ में करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ-2016 में करीब 7,500 स्काउट एवं गाइड ने 10 कैंपों के जरिए सेवाएं दी थीं। इस बार 15 हजार से अधिक प्रशिक्षित स्वयं सेवक 20 से अधिक कैंपों के माध्यम से सेवा का मोर्चा संभालेंगे। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन संस्थान के सहयोग से 100 मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जाएंगे। प्रदेश के हर जिले से 500 तथा उज्जैन संभाग के सभी जिलों से एक-एक हजार युवाओं

को सेवादूतों के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि उज्जैन में श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद तेजी से धार्मिक पर्यटन बढ़ा है। इस वर्ष यहां 12 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड को सिंहस्थ में सेवा के लिए तैयार हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीक एवं सोशल मीडिया के इस दौर में स्काउट एंड गाइड को इंटरनेट और सोशल मीडिया से फैलने वाली अफवाहों को रोकने के लिए भी प्रशिक्षित होना होगा। मध्य प्रदेश स्काउट एंड गाइड के राज्य कोषाध्यक्ष और सिंहस्थ सेवा दल के प्रभारी रहे श्री रमेश शर्मा ने बताया कि सिंहस्थ-2028 में स्काउट एंड गाइड को 30 से अधिक शिविरों के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इनमें से 20 शिविर स्काउट-गाइड के होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं सिंहस्थ के पूर्व आयोजनों में सेवादूत के रूप में कार्य कर चुके हैं। ऐसे धार्मिक आयोजनों में स्काउट एंड गाइड की भूमिका को बेहतर तरीके से समझते हैं। संगोष्ठी में भारत स्काउट एंड गाइड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक अर्गल, संस्था के राज्य सचिव डॉ. प्रेम कुमार, सचिव स्कूल शिक्षा श्री संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभिषेक सिंह सहित प्रदेश के सभी संभागों से आए सेवादूत उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी सेवादूतों के साथ समूह चित्र भी खिंचवाया।

इंदौर में बनेगा 15 करोड़ का सिंधु कला केंद्र

AI से दिखेगा सिंध का इतिहास; 1800 साल पुराने दुर्लभ सिक्के होंगे खास आकर्षण

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

इंदौर। सिंध की प्राचीन संस्कृति, कला और ऐतिहासिक धरोहरों से आज की युवा पीढ़ी को रूबरू कराने के लिए इंदौर शहर में एक भव्य 'सिंधु कला केंद्र' का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। लगभग 10 हजार वर्गफीट के विशाल क्षेत्र में आकार ले रहे इस प्रोजेक्ट पर करीब 15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस कला केंद्र की सबसे बड़ी खूबी यह होगी कि यहां सिर्फ पुरानी चीजें ही नहीं रखी जाएंगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के जरिए लोगों को उस पुराने दौर की जिंदगी का साक्षात अहसास कराया जाएगा।

ऑडिटोरियम से लेकर सिंधी फूड ज़ोन तक की सुविधा

सांसद एवं सिंधु हेरिटेज ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर लालवानी के मुताबिक, समाज के सहयोग से बन रहे इस प्रोजेक्ट को अगले 18 महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परिसर में एक भव्य संग्रहालय के साथ-साथ 270 सीटों वाला एक सर्वसुविधा युक्त ऑडिटोरियम भी तैयार किया जाएगा। यहां सांस्कृतिक व सामाजिक



कार्यक्रमों के साथ-साथ वर्कशॉप और प्रदर्शनियां भी आयोजित की जा सकेंगी। इसके अलावा, सिंधी व्यंजनों का लुफ्त उठाने के लिए एक खास 'सिंधी फूड ज़ोन' भी बनाया जाएगा। आने वाले समय में यह केंद्र सभी समाज के लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

एआई और 3D तकनीक से जीवंत होगा सिंध का पुराना दौर

इस म्यूजियम को बेहद आधुनिक तरीके से डिजाइन किया जा रहा है। 3D और इमर्सिव तकनीक का इस्तेमाल करते हुए पुराने सिंध क्षेत्र के रहन-सहन, व्यापार, पहनावे और संस्कृति को डिजिटल रूप

में पर्दे पर उतारा जाएगा। इसका मकसद दर्शकों को सिर्फ किताबी जानकारी देना नहीं है। उन्हें उस युग में होने का जीवंत अनुभव कराना है। इस पूरे काम के लिए इतिहास में रुचि रखने वाले जानकारों की एक अलग टीम बनाई जा रही है, जो देशभर में मौजूद सिंध की प्राचीन वस्तुओं और जानकारीयों को एक जगह इकट्ठा करेगी।

सहेजे जा रहे 1800 साल पुराने दुर्लभ सिक्के और पुश्तैनी धरोहरें

प्रोजेक्ट के आर्किटेक्ट अर्जुन हबलानी ने बताया कि विभाजन से पहले के सिंध की यादों को संजोने के लिए वरिष्ठ नागरिकों और इतिहास प्रेमियों की मदद ली जा रही है। यहां तक कि पाकिस्तान में रह रहे सिंधी समुदाय के लोगों से भी संपर्क साधा जा रहा है। लोगों ने स्वेच्छा से पुराने बर्तन, ताले, हाथ वाले पंखे और कई ऐतिहासिक वस्तुएं उपलब्ध कराई हैं। संग्रहालय का मुख्य आकर्षण सिंध क्षेत्र के राजाओं के 1700 से 1800 साल पुराने दुर्लभ सिक्के होंगे। इनमें चंच वंश के राजा यशोदित्य (लगभग 679-712 ईस्वी) के समय के वे सिक्के भी शामिल हैं, जिन पर मुकुट पहने हुए राजा और त्रिशूल की आकृति उकेरी गई है।

भिंड से खरगोन हथियार खरीदने आए पांच आरोपी गिरफ्तार, कार से 15 अवैध पिस्टल बरामद

कोबरा डॉट कॉम | न्यूज

खरगोन। अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले की गोगावां पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 15 हस्तनिर्मित अवैध देशी पिस्टल बरामद की हैं। इनकी कीमत करीब 2.25 लाख रुपए बताई गई है। हथियारों के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही कार भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की कार में कुछ लोग अवैध हथियार लेकर बिलाली की ओर से गोगावां फाटे की तरफ आ रहे हैं। सूचना के बाद थाना प्रभारी गोगावां उपनिरीक्षक दीपक यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम घुघरियाखेड़ी स्थित गोगावां फाटे पर घेराबंदी की।

कार में पांच लोग सवार थे

कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए की सफेद कार वहां पहुंची, जिसे पुलिस ने रोककर तलाशी ली। कार में पांच लोग सवार थे। तलाशी के दौरान पुलिस को कार से 15 हस्तनिर्मित देशी पिस्टल मिलीं। हथियारों के संबंध में आरोपितों से लाइसेंस व अन्य दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

इसके बाद पुलिस ने भिंड जिले के विष्णु पिता पानसिंग चौहान (23), लवकुश पिता किशनपाल चौहान (26), शोलेन्द्र उर्फ गोलू पिता शिवचरण बघेल (18), रामगोपाल उर्फ बिहारी पिता अहिरवरण चौहान (24) और गुजरात के अहमदाबाद निवासी रोहित उर्फ बाबू



पिता अमरनाथ (22) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध थाना गोगावां में आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने सिगनूर के किसी व्यक्ति से अवैध हथियार खरीदने की बात बताई है। पुलिस अब आरोपितों को रिमांड पर लेकर हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क के संबंध में पूछताछ करेगी। पुलिस का कहना है कि सिगनूर निवासी संबंधित व्यक्ति को भी विवेचना में आरोपित बनाया जाएगा।

दो आरोपियों पर पहले से आर्म्स एक्ट के मामले

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपितों में लवकुश के खिलाफ भिंड देहात थाने

में आर्म्स एक्ट सहित तीन प्रकरण दर्ज हैं। इनमें दो मामले आर्म्स एक्ट से संबंधित हैं। वहीं रामगोपाल उर्फ बिहारी के खिलाफ अमायन थाने में आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज है। इसके अलावा उसके खिलाफ मेहगांव थाने में मारपीट सहित अन्य धाराओं और रौन थाने में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण भी दर्ज बताया गया है।

कार्रवाई एसडीओपी भीकनगांव केतन अडलक के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी दीपक यादव के नेतृत्व में की गई। टीम में उपनिरीक्षक रितेश तायड़े, सहायक उपनिरीक्षक अनिल तिवारी सहित थाना गोगावां का पुलिस बल शामिल रहा।

लचर व्यवस्था, लाचार जिम्मेदार : खरगोन में कीचड़ में फंसी एंबुलेंस, बैलगाड़ी से प्रसूता को पहुंचाया अस्पताल



कोबरा डॉट कॉम | न्यूज

खरगोन। जिले में हो रही घटनाओं में कानून व्यवस्था और आमजन को मिलने वाली सुविधाओं के मामले में पूरी व्यवस्था लचर नजर आ रही है, वहीं घटनाओं के बाद सुधार को लेकर भी जिम्मेदार लाचार नजर आ रहे हैं। जिले के भीकनगांव क्षेत्र में शुक्रवार रात प्रसूता को लेने पहुंचा एंबुलेंस वाहन कीचड़ में फंस गया। इस पर परिजन प्रसूता को तीन किमी तक बैलगाड़ी व बाइक से लेकर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में डिलेवरी तो करवाई गई लेकिन बालिका मृत पैदा हुई। वहीं एक अन्य मामले में अवैध खनन पर कार्रवाई करने पहुंची टीम को मुंह की खाना पड़ी।

अवैध खननकर्ताओं ने ना सिर्फ टीम पर पथराव किया बल्कि वे टीम से एक जेसीबी और एक ट्रैक्टर छिन ले गए। पुलिस ने तीन आरोपितों के विरुद्ध नामजद प्रकरण दर्ज किया है। ज्ञात हो कि इससे पूर्व भी खनिज विभाग की टीम पर जिले की खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र में हमला हुआ था, जिसमें विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। जानकारी अनुसार जिले के भीकनगांव क्षेत्र पिपल्या पंचायत के मांगिया फलिया निवासी राजकुमार बड़ोले के अनुसार उनकी रिश्तेदार शिवानी पत्नी विक्रम को शुक्रवार शाम प्रसव पीड़ा हुई। सूचना पर आशा कार्यकर्ता रचना पहुंचीं और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस भीकनगांव से मांगिया फलिया की ओर रवाना हुई, लेकिन कीचड़ में फंस गई। इसके बाद ग्रामीणों ने शिवानी को बैलगाड़ी से पक्की सड़क तक पहुंचाया और वहां से दोपहिया वाहन से अस्पताल ले जाया गया। शिवानी ने मृत बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, चिकित्सकीय जांच में सामने आया कि प्रसूता के गर्भ में बच्ची की मौत अस्पताल पहुंचने से करीब दो दिन पहले ही हो चुकी थी। डाक्टरों ने खराब सड़क और बच्ची की मौत के बीच कोई चिकित्सकीय संबंध होने से इनकार किया है।

खराब रास्ते के कारण परेशानी

राजकुमार ने आरोप लगाया कि खराब रास्ते के कारण अस्पताल पहुंचने में करीब एक घंटे का समय लगा। उन्होंने बताया

कि क्षेत्र के 121 परिवार सड़क निर्माण की मांग को लेकर कई बार आवेदन दे चुके हैं। उनका कहना है कि सड़क समय पर बन जाती तो महिला को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी नहीं होती।

भीकनगांव बीएमओ डा. विजय वर्मा ने बताया कि जांच में भ्रूण की मृत्यु प्रसव से करीब दो दिन पहले होने के संकेत मिले हैं। भ्रूण की त्वचा निकलने और झिल्ली फटने जैसे लक्षण भी मिले। बीएमओ के अनुसार शिवानी की हालत स्थिर है। उसकी पहले से दो बेटियां हैं। वह 25 जुलाई को पति के साथ मजदूरी के लिए गुजरात गई थी और 14 सितंबर को गांव लौटी थी।

सीएमएचओ डा. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि महिला गर्भावस्था के दौरान गुजरात में मजदूरी कर रही थी और स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की नियमित निगरानी में नहीं थी। भ्रूण की हलचल बंद होने की जानकारी भी समय पर स्वास्थ्य विभाग को नहीं दी गई।

बीएमओ ने मामले की विस्तृत रिपोर्ट सीएमएचओ और कलेक्टर को भेजने की बात कही है। वहीं, खराब सड़क को लेकर अधिकारियों ने बताया कि मार्ग निर्माण का प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है। इस मामले में भीकनगांव एसडीएम लोकेश छापरे व कलेक्टर गुरु प्रसाद को जानकारी के लिए काल किया लेकिन उन्होंने काल अटैंड नहीं किया और ना ही इंटरनेट मीडिया पर जवाब दिया।

उधर, पथराव में एक घायल, तीन पर प्रकरण दर्ज

अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई करने पहुंची खनिज विभाग की टीम पर रेत उत्खननकर्ताओं ने हमला कर दिया। मांगरूल में कुंदा नदी से अवैध रेत उत्खनन की शिकायत पर सहायक खनिज अधिकारी प्रियंका अजनार टीम के साथ मौके पर पहुंची थीं। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोप है कि उत्खननकर्ताओं ने टीम पर पथराव कर दिया। पथराव में एक सैनिक घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के दौरान उत्खननकर्ता ट्रैक्टर-जेसीबी सहित अन्य वाहन छुड़ाकर मौके से भाग निकले। टीम ने एक ट्रैक्टर जब्त कर जैतापुर पुलिस के सुपुर्द किया है।

खरगोन में पहले अमद्रता के आरोप, फिर एसआई से उठवाई प्रतिमा, करवाई आरती, राजमार्ग तक पहुंचा गणेश पंडाल में शुरू हुआ हंगामा

कोबरा डॉट कॉम | न्यूज

खरगोन। जिले के भीकनगांव के बाल गणेश पंडाल में शुक्रवार रात पहुंचे पुलिस एसआई पर अभद्रता के आरोप लगने के बाद मामला पंडाल से राजमार्ग तक पहुंच गया। गुस्साए नागरिकों ने शुक्रवार देर रात खंडवा-बड़ोदरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर गणेश प्रतिमाएं रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

करीब एक घंटा हंगामे के बाद भी लोगों की मांग पर एसआई ही गणेश प्रतिमा उठा कर थाने के सामने से पंडाल तक लेकर गए और देर रात आरती भी की। रात को मामला समझाइश से खत्म हुआ और शनिवार को आक्रोशित नागरिकों ने पुलिस के विरुद्ध पुलिस को ही ज्ञापन सौंपा। जानकारी अनुसार शुक्रवार रात स्थानीय थाने पर पदस्थ एसआई एमएस बघेल टीम सहित पंडालों में बज रहे साउंड सिस्टम बंद करवाने पहुंचे थे।

सकल हिंदू समाज में आक्रोश

भीकनगांव नगर के वार्ड क्रमांक पांच में बाल गणेश मंडल के बच्चों के साथ पुलिस द्वारा अभद्रता और गणेश प्रतिमा को थाने ले जाने की धमकी देने के आरोप से सकल हिंदू समाज में आक्रोश है। शनिवार को सकल हिंदू समाज व समस्त नगरवासियों ने एसपी के नाम का ज्ञापन एसडीओपी भीकनगांव को सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख है कि वार्ड पांच में छोटे बच्चों द्वारा बाल गणेश मंडल का पंडाल



स्थापित कर विधि-विधान से भगवान गणेश की पार्थिव प्रतिमा स्थापित की गई है। बच्चे रोज सुबह-शाम पूजा-आरती कर रहे हैं। आरोप है कि शुक्रवार बच्चे आरती के बाद पंडाल के सामने भजन पर नाच-गाना कर रहे थे, तभी भीकनगांव थाने के बीट प्रभारी सब इंस्पेक्टर मोहरसिंह बघेल और आरक्षक अर्पितसिंह चौहान वहां पहुंचे और लाइट-साउंड बंद करने को कहा।

एसआई पर बच्चों के साथ गाली-गलौज करने का आरोप

बच्चों ने कहा कि शांति समिति की बैठक में रात 11 बजे तक धार्मिक कार्यक्रम की अनुमति दी गई है। आरोप लगाया गया है कि इसी बात पर एसआई ने बच्चों के साथ गाली-गलौज की और

कहा कि तुम्हारे माता-पिता और गणेश प्रतिमा को उठाकर थाने ले जाऊंगा। इसके बाद बड़ी संख्या में सकल हिंदू समाजजन थाने के सामने राजमार्ग पर एकत्रित हो गए और विरोध प्रदर्शन किया था।

घेर कर ले गए एसआई को

रात को मामला गमाने के बाद पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाईश दी। इसके बाद लोगों की मांग पर सड़क पर रखी प्रतिमा उठाकर एसआई खुद उसे पंडाल तक ले गए और आरती भी की। मामले को लेकर भीकनगांव एसडीओपी केतन अडलक ने कहा कि राजमार्ग पर आए नागरिकों को समझाईश दे दी गई। समझने में कुछ गलती की वजह से घटना हुई है।

खरगोन में कच्ची शराब की बिक्री के विरोध में 300 महिलाओ ने निकाली रैली, पुलिस चौकी का किया घेराव

कोबरा डॉट कॉम | न्यूज

खरगोन - बमनाला। जिले के ग्राम बमनाला में आदिवासी और भील समाज की करीब 300 महिलाओं ने गांव में कच्ची शराब की धड़ल्ले से बिक्री के विरोध में रैली निकाली। महिलाओं ने खंडवा-बड़ोदरा राजमार्ग स्थित पुलिस चौकी का घेराव कर शराब बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। महिलाएं राजमार्ग पर ही बैठ गईं। इससे आवागमन प्रभावित हुआ। महिलाओं का कहना है कि गांव में खुलेआम कच्ची शराब बेची जा रही है। वहीं, शंकर मंदिर के सामने शराब दुकान संचालित हो रही है, जिसका स्थान बदला जाना चाहिए। महिलाओं ने प्रशासन से अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई करने और मंदिर के

सामने संचालित शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की।

इस तस्करी का शातिर आरोपित सादिक मेवाती गिरफ्तार

खरगोन : जिला पुलिस ने नशीले पाउडर (एमडी ड्रग्स) की अवैध तस्करी के मामले में एक और फरार आरोपित सादिक मेवाती को गिरफ्तार कर लिया है। इस नेटवर्क में अब तक कुल चार आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। शातिर आरोपित सादिक मेवाती पर पूर्व से ही हत्या सहित कई गंभीर अपराधिक मामले दर्ज हैं।

यह है मामला

गत 25 अगस्त को थाना कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए तनवीर



निवासी खरगोन, शाहनवाज उर्फ शानू निवासी

खंडवा और आसिफ निवासी इंदौर को गिरफ्तार किया था। इनके पास से 70 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स और एक कार जब्त की गई थी। आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

पूछताछ में खुला सादिक मेवाती का नाम

पुलिस पूछताछ के दौरान तीनों आरोपितों ने खुलासा किया था कि वे जब्त की गई ड्रग्स में से दो ग्राम बालसमुद निवासी सादिक मेवाती को बेचने के लिए दे चुके थे। वे पहले भी कई बार सादिक को ड्रग्स सप्लाई करते रहे हैं। इस खुलासे के आधार पर पुलिस ने सादिक मेवाती को भी प्रकरण में आरोपी बनाया।

ठिकाने बदलकर भाग रहा था आरोपित

आरोपी सादिक शातिर प्रवृत्ति का है और लगातार अपने रहने के ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित सादिक बलगांव फाटे के पास देखा गया है। इसके बाद थाना कोतवाली और थाना कसरावद पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बलगांव फाटे से सादिक मेवाती को दबोच लिया। आरोपित को अदालत में पेश किया गया है। आरोपित सादिक पिता सुल्तान मेवाती निवासी बालसमुद थाना कसरावद पर पूर्व से ही विभिन्न थानों में तीन गंभीर अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी बीएल मंडलोई के नेतृत्व में मनमोहनसिंह बघेल, श्याम पंवार, संतोष शुक्ला सहित साइबर टीम व कसरावद पुलिस शामिल रही।

आईआईटी बॉम्बे छात्र खुदकुशी मामला: छात्रों की 18 मांगों पर बोर्ड में आज सुनवाई, मांगपत्र में क्या-क्या शामिल ?

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

नई दिल्ली। आईआईटी बॉम्बे में छात्र की मौत के बाद जारी प्रदर्शन के बीच संस्थान प्रशासन ने छात्रों की 18 सूची मांगों पर अग्रे बढ़ने की सहमति दी है। निदेशक प्रोफेसर शिरीष केदार ने मांगपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। छात्रों की मांगों पर आज आईआईटी बॉम्बे का बोर्ड सुनवाई करेगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे यानी आईआईटी बॉम्बे में छात्र की आत्महत्या के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्रों और संस्थान प्रशासन के बीच गतिरोध सोमवार को नए चरण में पहुंच गया। आईआईटी परिसर में छात्र की आत्महत्या के तीन दिन बाद भी प्रदर्शनकारी छात्र अपनी मांगों पर कायम रहे।

संस्थान ने छात्रों की मांगों और उठाए गए मुद्दों पर चर्चा के लिए सोमवार को अपने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की विशेष बैठक बुलाई है। बैठक के बाद संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शिरीष केदारे छात्रों के साथ टाउन हॉल बैठक करेंगे। यह बैठक रविवार को छात्रों के साथ हुई उनकी चर्चा के आगे की प्रक्रिया के तौर पर होगी।

आईआईटी बॉम्बे में आज क्यों नहीं होंगे लेक्चर?

रविवार को छात्रों के साथ लंबी बैठक के बाद केदार ने छात्रों की ओर से सौंपे गए 18 से अधिक मांगों वाले चार्टर को स्वीकार किया और उस पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि संस्थान इन मांगों पर विचार करेगा। सोमवार को सभी लेक्चर रद्द रहेंगे। छात्रों ने यह मांगपत्र परिसर के मुख्य द्वार के पास तीन दिनों से चल रहे धरने के दौरान सौंपा था। यह मांगपत्र उस छात्र की मौत के बाद सामने आया, जिसे

परीक्षा में कथित तौर पर नकल करते हुए पकड़े जाने की बात कही गई थी।

छात्रों की मांगों पर आज होगी बैठक

18 सूत्री मांगपत्र में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई, छात्र की मौत की परिस्थितियों की स्वतंत्र जांच, संस्थान प्रशासन की जवाबदेही बढ़ाने और छात्र कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य तथा अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं में सुधार की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्टों में बैठक से जुड़ी जानकारी के हवाले से बताया गया कि केदार ने छात्रों की सभी 18 मांगों को स्वीकार करते हुए दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

क्या हैं छात्रों की प्रमुख मांगें?

जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई: छात्रों ने प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्हा को तत्काल निलंबित करने और जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने वाले किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति को पद से हटाने की मांग की है।

बदनाम करने को लेकर सार्वजनिक माफी: छात्रों ने छात्र के बारे में लिंकडइन पर की गई पोस्ट में आंशिक और स्पष्ट जानकारी साझा किए जाने को उसकी “बदनामी” बताया। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से इसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।

जिम्मेदार अधिकारियों के साथ
ओपन हाउस: छात्रों ने निदेशक, डीन एसए, डीन एपी और मृत छात्र के विभागाध्यक्ष के साथ ओपन हाउस आयोजित करने की मांग की है। इसमें छात्र सीधे अपने सवाल और चिंताएं रख सकेंगे। छात्रों ने यह बैठक 22 सितंबर से पहले कराने की मांग की है।

मांगों के क्रियान्वयन की जवाबदेही:



छात्रों ने मांग की है कि यदि तय मांगों को एक महीने के भीतर लागू नहीं किया जाता है तो निदेशक, डीन एपी और डीन एसए को इस्तीफा देना चाहिए। छात्रों ने मांगों की प्रगति पर हर सप्ताह अपडेट देने की भी मांग की है।

स्वतंत्र जांच समिति: छात्रों ने प्रोफेसरों, छात्र प्रतिनिधियों, बाहरी सदस्यों और छात्र प्रतिनिधियों की ओर से सुझाए गए सदस्यों वाली स्वतंत्र समिति बनाने की मांग की है। यह समिति छात्र की मौत से जुड़ी परिस्थितियों, आपातकालीन प्रतिक्रिया और अस्पताल में मिली सहायता समेत अन्य पहलुओं की जांच करेगी।

अंतरिम और अंतिम रिपोर्ट: छात्रों ने 30 सितंबर तक अंतरिम रिपोर्ट और 15 अक्टूबर तक अंतिम रिपोर्ट जारी करने की मांग की है।

आर्थिक सहायता: छात्रों ने हाल के महीनों में आईआईटी बॉम्बे में अपने प्रियजनों को खोने वाले चार लोगों के परिवारों को उचित और जल्द वित्तीय सहायता देने की मांग की है। इसके साथ

ही संस्थान की ओर से लगातार सहयोग देने की भी मांग की गई है।

छात्र के आत्महत्या मामले की क्राइम ब्रांच कर रही जांच

मुंबई क्राइम ब्रांच ने आईआईटी बॉम्बे के 22 वर्षीय छात्र की कथित आत्महत्या की जांच अपने हाथ में ले ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, क्राइम ब्रांच प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला और अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुला सकती है। मामले में प्रोफेसर दूल्ला को आरोपी बनाया गया है। पर्वट पुलिस ने छात्र के माता-पिता की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है।

क्या है छात्र की आत्महत्या से जुड़ा मामला?

छात्र बीती 18 सितंबर की शाम अपने

हाईस्टल के कमरे में मृत मिला था। इससे कुछ घंटे पहले उसे मिड-सेमेस्टर परीक्षा के दौरान कथित तौर पर मोबाइल फोन और चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। आईआईटी बॉम्बे ने कहा था कि छात्र ने कथित तौर पर परीक्षा के प्रश्नपत्र की तस्वीर चैटजीपीटी पर अपलोड कर जवाब मांगे थे। हालांकि, संस्थान के अनुसार, उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। संस्थान ने कहा था कि परीक्षे में मौजूद शिक्षक और विभागाध्यक्ष ने छात्र से बातचीत की थी और उसे भरोसा दिलाया था कि इस घटना से उसके शैक्षणिक करियर पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा।

आईआईटी बॉम्बे फैकल्टी फोरम ने प्रोफेसर का किया समर्थन

आईआईटी बॉम्बे फैकल्टी फोरम ने प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला के प्रति समर्थन जताया है। फोरम ने कहा कि परीक्षा के दौरान स्मार्टफोन के कथित अनधिकृत इस्तेमाल की सूचना देते समय प्रोफेसर संस्थान की तय प्रक्रिया का पालन कर रहे थे। फोरम के अनुसार, दूल्ला मिड-सेमेस्टर परीक्षा की निगरानी कर रहे थे और उन्होंने कथित अकादमिक अनियमितता की जानकारी आगे की कार्यवाई के लिए संस्थान के अधिकारियों को दी थी। फैकल्टी फोरम ने दूल्ला की प्रतिष्ठा को "खराब किए जाने" पर चिंता जताई और छात्र के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। छात्र की मौत के बाद शुरू हुए प्रदर्शन में संस्थान प्रशासन से जवाबदेही और अपारदर्शिता की मांग प्रमुख रही। आईआईटी बॉम्बे में सात महीनों के भीतर आत्महत्या का यह तीसरा मामला है। इससे पहले फरवरी और जुलाई में दो अन्य छात्रों की मौत की जानकारी सामने आई थी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में जोरदार हंगामा और धक्का-मुक्की, सदन की कार्यवाही स्थगित



कोबरा डॉट कोम । न्यूज

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सत्र में सोमवार को नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) कर्मचारियों की मांगों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। विरोध-प्रदर्शन के दौरान मार्शल के साथ धक्का-मुक्की और वेल में भारी व्यवधान के चलते सदन की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सत्र के दौरान एनएचएम (NHM) कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को लेकर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बीजेपी विधायकों ने सदन में वेल में उतरकर नारेबाजी की और एनएचएम स्वास्थ्य कर्मियों के स्थायीकरण व वेतन वृद्धि की मांग को लेकर जोरदार विरोध जताया।

NHM कर्मचारियों के नियमितीकरण और समान वेतन की मांग

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायकों ने नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) के तहत कार्यरत हजारों कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बीजेपी नेताओं का कहना था कि ये स्वास्थ्य कर्मी लंबे समय से अपनी निष्ठावान सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन सरकार उनके नियमितीकरण और 'समान कार्य के लिए समान वेतन' की जायज मांगों को नजरअंदाज कर रही है।

मार्शल के साथ धक्का-मुक्की और सदन स्थगित

लेकर वेल के बीचों-बीच आ गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जब विधानसभा के मार्शलों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो सदन के भीतर विधायकों और मार्शलों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की देखने को मिली। इस भारी शोर-शराबे और अव्यवस्था के कारण विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा।

बिजली दरों और दैनिक वेतनभोगियों का मुद्दा भी उठा

एनएचएम कर्मचारियों के अलावा, विपक्षी विधायकों ने राज्य में बढ़ी हुई बिजली दरों और दैनिक वेतनभोगियों के पक्के होने के मुद्दों को लेकर भी सरकार पर तीखे हमले किए। विपक्ष ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार आम जनता और संविदा कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।



कोबरा डॉट कोम । न्यूज

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर प्रांत कुनार में पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक की खबर सामने आई है। रॉयटर्स के मुताबिक, स्थानीय प्रांतीय अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि इस हवाई हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले से ही तनाव बना हुआ है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान में एक पुलिस केंद्र पर हुए हमले के महज दो दिन बाद यह एयरस्ट्राइक की गई है।

पुलिस केंद्र पर हमले के बाद
एयरस्ट्राइक

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में स्थित एक पुलिस केंद्र पर शुक्रवार को हमला हुआ था। रॉयटर्स के मुताबिक, उस हमले में 31 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद अफगानिस्तान के कुनार में पाकिस्तानी हवाई हमला हुआ है। हालांकि, कुनार में एयरस्ट्राइक के पीछे पाकिस्तान की ओर से इस समय तक सामने आया आधिकारिक कारण इस शुरुआती रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं है। इसलिए हमले को सीधे तौर पर पिछले पुलिस केंद्र हमले का जवाब मानना फिलहाल एक रिपोर्टेड संभावना के तौर पर ही देखा जाना चाहिए।

फिर बढ़ा पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव

कुनार में ताजा एयरस्ट्राइक से दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है। रॉयटर्स ने इसे दोनों देशों के बीच फिर से संघर्ष भड़काने की आशंका से जोड़ते हुए रिपोर्ट किया है। दोनों देशों के बीच इसी साल फरवरी में भी गंभीर सैन्य टकराव हुआ था। रॉयटर्स के अनुसार, फरवरी का संघर्ष दोनों देशों के बीच कई वर्षों में सबसे बड़े टकरावों में शामिल था।

पहले भी हो चुके हैं सीमा पार हवाई हमले

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर हमलों और आतंकवाद के मुद्दे को लेकर लंबे समय से तनाव है। जून 2026 में भी पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुनार समेत कई प्रांतों में हवाई हमले किए थे। उस समय संयुक्त राष्ट्र के अफगानिस्तान मिशन (UNAMA) ने कहा था कि तीन प्रांतों में हुए हवाई हमलों में कम से कम 28 नागरिकों की मौत और 49 लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई थी। पाकिस्तान का कहना रहा है कि उसके सैन्य अभियान सीमा पर असक्रिय आतंकवादी समूहों को निशाना बनाते हैं, जबकि अफगान तालिबान सरकार ऐसे आरोपों से इनकार करती रही है। दोनों पक्षों के बीच इसी मुद्दे पर तनाव लगातार बना हुआ है।

24 या 25 सितंबर, कब किया जाएगा बाप्पा का विसर्जन?

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

गणपति भगवान का अपने घर में स्वागत करना यानी उन्हें विधि-विधान से विराजमान करना भक्तों के लिए बेहद शुभ और भावनात्मक अवसर होता है. कोई एक दिन के लिए गणपति जी को विराजमान करता है, तो कोई डेढ़ दिन, तीन दिन, पांच दिन, सात दिन या अपनी सुविधा और परंपरा के अनुसार अधिक दिनों तक उनकी सेवा करता है. लेकिन जितने सम्मान और श्रद्धा के साथ हम गणपति जी को अपने घर बुलाते हैं, उतने ही सम्मान के साथ उनकी विदाई भी करनी चाहिए. गणपति विसर्जन केवल मूर्ति को जल में प्रवाहित करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसके साथ पूजा की एक पूरी विधि जुड़ी होती है. तो आखिर गणपति विसर्जन कब किया जाएगा और गणपति जी को विदाई किस तरह दी जाती है? क्या गणपति जी का वास्तव में विसर्जन होता है और विसर्जन के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? आइए जानते हैं.

ट्रिक पंचांग के अनुसार, गणेश विसर्जन की चतुर्दशी तिथि 24 सितंबर को रात 11 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 25 सितंबर को रात 11 बजकर 6 मिनट पर होगी.

इसी कारण गणेश विसर्जन 25 सितंबर, शुक्रवार को किया जाएगा.

गणेश विसर्जन के लिए शुभ चौघड़िया मुहूर्त

प्रातः मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत)- सुबह 06 बजकर 11 मिनट से लेकर सुबह 10

बजकर 42 मिनट तक

अपराह्न मुहूर्त (चर)- शाम 4 बजकर 44 मिनट से लेकर 6 बजकर 14 मिनट तक

अपराह्न मुहूर्त (शुभ)- दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से लेकर 1 बजकर 43 मिनट तक

रात्रि मुहूर्त (लाभ)- रात 9 बजकर 14 मिनट से लेकर 10 बजकर 43 मिनट तक.

रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर)- 12:13 ए एम से 04:42 ए एम, सितम्बर 26

गणपति विसर्जन से पहले करें उत्तर पूजन

गणपति जी की स्थापना के दिन से लेकर जितने दिनों तक आपने उनकी सेवा और पूजा की है, विसर्जन के दिन सबसे पहले उत्तर पूजन किया जाता है. उत्तर पूजन का अर्थ है गणपति जी की अंतिम पूजा, जिसके बाद उनकी विधिवत विदाई की जाती है. उत्तर पूजन की प्रक्रिया काफी हद तक उसी तरह होती है, जैसे आपने स्थापना के समय गणपति जी का पूजन किया था.

सबसे पहले गणपति जी को स्नान कराया जाता है. परंपरा के अनुसार पहले सामान्य जल से स्नान कराया जाता है. इसके बाद दूध, दही, घी, शहद और शर्करा से पंचामृत स्नान कराया जा सकता है. इसके बाद दोबारा शुद्ध जल से स्नान कराया जाता है. कुछ लोग गणपति अथर्वशीर्ष के मंत्रों के साथ अभिषेक भी करते हैं. हालांकि, यदि आप अभिषेक नहीं करना चाहते हैं तो सामान्य स्नान और पूजा भी अपनी परंपरा के अनुसार कर सकते हैं.



स्नान के बाद गणपति जी को पहनाएं वस्त्र

स्नान के बाद गणपति जी को नए वस्त्र अर्पित किए जाते हैं. पहले उपवस्त्र अर्पित किया जाता है. इसके बाद यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है और फिर ऊपर का वस्त्र अर्पित किया जाता है. इसके बाद गणपति जी को चंदन, अक्षत, दूर्वा, सिंदूर और सुगंधित द्रव्य अर्पित करें. फिर धूप और दीप दिखाएं.

इसके बाद गणपति जी को नैवेद्य अर्पित

करें. इसमें मोदक या आपकी श्रद्धा और परंपरा के अनुसार अन्य प्रसाद रखा जा सकता है. नैवेद्य के बाद आचमन और ऋतु फल अर्पित करें. इसके बाद दक्षिणा और तांबूल यानी पान, सुपारी आदि अर्पित करने की परंपरा भी है. चाहें तो अंत में नारियल भी अर्पित कर सकते हैं. इसके बाद गणपति जी की आरती करें.

पहले गौरी, फिर कलश और अंत में गणपति जी का पूजन

यदि आपने गणपति स्थापना के समय

मां गौरी और कलश की भी स्थापना की है, तो उत्तर पूजन में इनका भी पूजन किया जाता है. इस क्रम में पहले मां गौरी को अर्पण करें. इसके बाद कलश का पूजन करें और अंत में गणपति जी का पूजन करें. गणपति जी यहां प्रधान देवता माने जाते हैं, इसलिए उनका पूजन अंत में मुख्य रूप से किया जाता है.

कैसे करें विसर्जन?

कुछ पूजा परंपराओं में माना जाता है कि विसर्जन से पहले की मुख्य पूजा और आरती घर पर ही पूरी कर लेनी चाहिए. इसके बाद मूर्ति को सम्मानपूर्वक विसर्जन स्थल तक ले जाया जाता है. वहां पहुंचकर स्थानीय परंपरा के अनुसार संक्षिप्त प्रार्थना करके विसर्जन किया जा सकता है. नदी या तालाब में प्लास्टिक, कपड़ा, फूल-माला या अन्य ऐसी सामग्री नहीं डालनी चाहिए, जो जल को प्रदूषित करें. आजकल कई जगह प्रशासन की ओर से कृत्रिम विसर्जन कुंड भी बनाए जाते हैं. पर्यावरण की दृष्टि से इनका उपयोग करना उचित विकल्प हो सकता है.

कलश के जल का क्या करें?

पूजा पूरी होने के बाद कलश के जल का घर में छिड़काव करने की परंपरा भी है. इसे पवित्रता और मंगल की भावना से किया जाता है. इसके बाद पूजा की सामग्री को सम्मानपूर्वक अलग करें. जो सामग्री विसर्जित करनी हो, उसे निर्धारित और स्वच्छ स्थान पर ही विसर्जित करें.

21 से 27 सितंबर तक के सप्ताह का साप्ताहिक राशिफल

मेष	
कर्क	
तुला	
मकर	
वृषभ	
सिंह	
वृश्चिक	
कुंभ	
मिथुन	
कन्या	
धनु	
मीन	

होगा । व्यापारियों के लिए भी यह सप्ताह ठीक रहेगा । व्यापार में उन्नति होगी । धन लाभ में वृद्धि होगी । अधिकारी एवं कर्मचारियों को इस सप्ताह थोड़ा शांत रहकर कार्य करना चाहिए । फालतू की बहस बाजी में नहीं पड़ना चाहिए । भाई बहनों के साथ खट्टे मीठे संबंध रहेंगे । आपका और आपके जीवन साथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा । इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख सफलता दायक है । सप्ताह के बाकी दिन भी ठीक-ठाक है । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें । सप्ताह का शुभ दिन शुक्रवार है ।

मिथुन राशि

इस सप्ताह आपको जन समर्थन मिलेगा । आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । जनप्रतिनिधियों के लिए यह सप्ताह काफी अच्छा रहेगा । आपको अपने संतान से अच्छा सहयोग प्राप्त होगा । विद्यार्थियों को पढ़ाई में लाभ होगा । परीक्षाओं में सफलता प्राप्त हो सकती है । कर्मचारी और अधिकारियों के लिए यह सप्ताह ठीक है । इस सप्ताह आपको भाग्य के स्थान पर अपने कर्म पर विश्वास करना उचित रहेगा । इस सप्ताह आपके लिए 26 और 27 तारीख सफलता प्राप्त करने के लिए उपयोगी हैं । 21, 22 और 23 तारीख को आपको सचेत रहना चाहिए । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन भगवान शिव का दूध और जल से अभिषेक करें । सप्ताह का शुभ दिन रविवार है ।

कर्क राशि

इस सप्ताह आपका अपने भाई बहनों के साथ संबंध अच्छा रहेगा । आपके प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । भाग्य से भी लाभ मिल सकता है । यह सप्ताह आपके जीवनसाथी के लिए उत्तम है । आपको दुर्घटनाओं से इस सप्ताह सावधान रहना चाहिए । व्यापारियों को व्यापार में लाभ होगा । जनप्रतिनिधियों को लाभ होगा । इस सप्ताह आपके लिए 21, 22 और 23 तारीख कार्यों को करने के लिए मददगार हैं । 24 और 25 तारीख को आपको होशियारी से अपने कार्यों को निपटाना चाहिए । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन काले उड़द का दान करें और शनिवार को शनि मंदिर में जाकर शनि देव का पूजन करें । सप्ताह का शुभ दिन सोमवार है ।

सिंह राशि

इस सप्ताह आपके पास धन आने की पूरी उम्मीद है । व्यापारियों को व्यापार में बहुत सफलता प्राप्त हो सकती है ।



बहनों के साथ संबंध ठीक रहेंगे । भाइयों के साथ थोड़ी तकरार हो सकती है । इस सप्ताह आप अपने शत्रुओं को आसानी से पराजित कर सकते हैं । आपके थोड़े से प्रयास से ही आपके शत्रु भाग जाएंगे । इस सप्ताह आपके माताजी और पिताजी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख विशेष रूप से उपयोगी है । सप्ताह के बाकी दिनों में आपको सजग रहकर कार्यों को निपटाना चाहिए । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन चावल का दान करें और शुक्रवार को मंदिर में जाकर पुजारी जी को सफेद वस्त्रो का दान दें । सप्ताह का शुभ दिन बृहस्पतिवार है ।

कन्या राशि

यह सप्ताह आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा । व्यापार में आपको सफलता प्राप्त होगी । धन आने का सुंदर योग है । अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भी यह सप्ताह ठीक-ठाक है । इस सप्ताह आपको अपने संतान से थोड़ा सा सहयोग प्राप्त हो सकता है । अपने शत्रुओं को आप इस सप्ताह थोड़े से प्रयास से पराजित कर सकते हैं । भाग्य का आपके साथ मिलेगा । इस सप्ताह आपके लिए 26 और 27 तारीख लाभदायक है । 24 और 25 तारीख को आपको सतर्क रहना चाहिए । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन गाय को हरा चारा खिलाएं । सप्ताह का शुभ दिन रविवार है ।

तुला राशि

यह सप्ताह आपके लिए ठीक रह सकता है । कचहरी के कार्यों में आपको प्रयास करने पर सफलता प्राप्त होगी । इस सप्ताह आपके शत्रु शांत रहेंगे । आपको अपने संतान से इस सप्ताह कम सहयोग प्राप्त होगा । छत्रों की पढ़ाई में बाधा पड़ सकती है । इस सप्ताह आपके प्रतिष्ठा में थोड़ी वृद्धि हो सकती है । भाई बहनों के साथ संबंध ठीक रहेंगे । इस सप्ताह आपके लिए 21, 22 और 23 तारीख

फलदायक है । 26 और 27 तारीख को आपको सतर्कता पूर्वक कार्यों को करना चाहिए । इस सप्ताह आपको प्रतिदिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना चाहिए । सप्ताह का शुभ दिन बुधवार है ।

वृश्चिक राशि

इस सप्ताह आपके पास धन लाभ का अच्छा योग है । अगर आप प्रयास करेंगे तो आपको अधिक धन लाभ प्राप्त होगा । आपको इस सप्ताह का उपयोग करना चाहिए । व्यापारियों के लिए यह सप्ताह अच्छा है । उनके व्यापार की उन्नति होगी । भाग्य से भी आपको मदद मिलेगी, परंतु पिछले सप्ताह से कम । आपको अपने संतान से सहयोग प्राप्त हो सकता है । इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख परिणाम दायक हैं । अगर आप लॉटरी में अपना पैसा लगाते हैं तो 24 और 25 तारीख को आपको लाभ हो सकता है । सप्ताह के बाकी दिन भी ठीक-ठाक हैं । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन भगवान सूर्य को तांबे के पात्र में जल अक्षत और लाल पुष्प लेकर जल अर्पण करें । सप्ताह का शुभ दिन बृहस्पतिवार है ।

धनु राशि

इस सप्ताह आपका और आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । व्यापार में धन लाभ होगा । अगर आप धन हानिका भी प्रयास करेंगे तो भी व्यापार में आप धन हानि नहीं कर पाएंगे । अगर धन लाभ का प्रयास करेंगे तो निश्चित रूप से धन लाभ में वृद्धि होगी । कर्मचारी और अधिकारियों के लिए सप्ताह अच्छा है । उनको अपने कार्यालय में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी । लंबी यात्रा का योग भी बन सकता है । दुर्घटनाओं से इस सप्ताह आपको सतर्क रहना चाहिए । इस सप्ताह आपके लिए 26 और 27 तारीख विशेष रूप से उपयोगी है । सप्ताह के बाकी दिन भी ठीक-ठाक है । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन काले कुत्ते को तंदूर की रोटी खिलाएं । सप्ताह का शुभ दिन रविवार है ।

मकर राशि

अधिकारी और कर्मचारियों के लिए सप्ताह अच्छा रहेगा । उनको सफलता प्राप्त होगी । भाग्य से आपको इस सप्ताह मदद मिलेगी । व्यापारियों के लिए भी यह सप्ताह ठीक रहेगा । उनको व्यापार में लाभ होगा । इस सप्ताह आपके पास गलत रास्ते से धन आने का योग बन सकता है । भाई बहनों के साथ संबंध सामान्य रहेंगे । इस सप्ताह आपके लिए 21, 22 और 23 तारीख शुभ है सप्ताह के बाकी दिन भी ठीक-ठाक हैं । इस सप्ताह आपको चाहिए कि

आप प्रतिदिन शिव पंचाक्षर मंत्र का जाप करें । सप्ताह का शुभ दिन शनिवार है ।

कुंभ राशि

इस सप्ताह भाग्य आपकी मदद करेगा । अगर आप थोड़ा भी प्रयास करेंगे तो भाग्य के कारण आप कई कार्यों में सफल हो सकते हैं । इस सप्ताह आपको डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसे खून संबंधी रोगों से सावधान रहना चाहिए । भाई बहनों के साथ संबंध सामान्य रहेंगे । माता और पिताजी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । अधिकारी और कर्मचारियों के लिए सप्ताह ठीक-ठाक है । व्यापारियों को इस सप्ताह थोड़ा सावधान रहकर कार्य करना चाहिए । इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख लाभदायक है । 21, 22 और 23 तारीख को आपको सचेत रहकर अपने कार्यों को करना चाहिए । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन गणेश अथर्व शीर्ष का पाठ करें । सप्ताह का शुभ दिन शुक्रवार है ।

मीन राशि

व्यापारियों को इस सप्ताह काफी लाभ होगा । उनके थोड़े से प्रयास से भी लाभ में वृद्धि होगी । दुर्घटनाओं से आप इस सप्ताह पूरी तरह से बचेंगे । आपके माता-पिता जी और जीवनसाथी का स्वास्थ्य ठीक रहेगा । आपके संतान को थोड़ा कष्ट हो सकता है । उनका सहयोग आपको कम मात्रा में प्राप्त होगा । इस सप्ताह आपके लिए 26 और 27 तारीख परिणाम मूलक है । 24 और 25 तारीख को आपको सावधान रहकर के अपने कार्यों को करना चाहिए । 26 और 27 तारीख को आपके संतान को लाभ हो सकता है । इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जाप करें । सप्ताह का शुभ दिन रविवार है । ध्यान दें कि यह सामान्य भविष्यवाणी है । अगर आप व्यक्तिगत और सटीक भविष्यवाणी जानना चाहते हैं तो आपको मुझे दूरभाष पर या व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर अपनी कुंजली का विश्लेषण करवाना चाहिए । मां शारदा से प्रार्थना है या आप सदैव स्वस्थ सुखी और संपन्न रहें। जय मां शारदा।

MP हाई कोर्ट में 35 हजार से अधिक अवमानना केसों ने बढ़ाई चुनौती, आदेश के बाद भी समाप्त नहीं हो रहा विवाद, पक्षकार दोबारा कोर्ट पहुंच रहा

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

जबलपुर। हाई कोर्ट में एक मुकदमे का आदेश होने के बाद भी विवाद समाप्त नहीं हो रहा है। आदेश का पालन नहीं होने पर वही पक्षकार दोबारा हाई कोर्ट पहुंच रहा है और अवमानना याचिका के रूप में उसी विवाद की दूसरी न्यायिक पारी शुरू हो रही है। अवमानना प्रकरणों की 35 हजार से अधिक संख्या ने न्यायालय के सामने लंबित मामलों के निराकरण की चुनौती को और जटिल बना दिया है।

मूल याचिका में न्यायालय जहां अधिकार और विवाद का फैसला करता है, वहीं आदेश के बाद अवमानना याचिका में यह देखना पड़ता है कि संबंधित विभाग, अधिकारी या संस्था



ने न्यायालय के निर्देश का पालन किया या नहीं। इस प्रक्रिया में नोटिस, जवाब, अनुपालन रिपोर्ट, व्यक्तिगत उपस्थिति और कई बार समय-सीमा तय करने जैसी न्यायिक कवायद करनी पड़ती है। हाई कोर्ट में पहले से ही लंबित मामलों का

बड़ा बोझ है। मार्च 2025 के अंत में न्यायालय में लंबित प्रकरणों की संख्या 4.71 लाख से अधिक थी। ऐसे में आदेशों के समय पर पालन नहीं होने से उत्पन्न अवमानना प्रकरण न्यायालय के अतिरिक्त समय और संसाधनों की मांग करते हैं।

इसका असर सीधे तौर पर मूल मामलों के निराकरण की गति पर पड़ने की स्थिति बनती है। हाल के मामलों में भी न्यायालय को अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना पड़ा है।

न्यायालय ने नोटिस से आगे बढ़कर वारंट तक जारी किए

कई मामलों में आदेश के बावजूद अनुपालन रिपोर्ट पेश नहीं होने अथवा संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति नहीं होने पर न्यायालय ने नोटिस से आगे बढ़कर वारंट तक जारी किए हैं। सितंबर में जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने एक अवमानना प्रकरण में तत्कालीन प्रमुख सचिव राजस्व और सागर के तत्कालीन कलेक्टर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे।

आदेश के बाद भी खत्म नहीं होता मुकदमा

अवमानना कानून का उद्देश्य न्यायालय के आदेश की गरिमा और प्रभावशीलता बनाए रखना है। इसलिए अवमानना याचिकाओं की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। असल समस्या उस स्थिति में पैदा होती है जब किसी आदेश के पालन के लिए बार-बार न्यायालय की निगरानी आवश्यक हो जाती है। यदि विभागीय स्तर पर आदेश मिलते ही उसकी अनुपालन प्रक्रिया शुरू हो और समय-सीमा के भीतर रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत हो जाए तो बड़ी संख्या में अवमानना याचिकाओं की नौबत टाली जा सकती है।

सड़क के सवाल पर भड़के सिंधिया, कहा – यह भाषा मेरे साथ इस्तेमाल मत करना

कोबरा डॉट कोम । न्यूज



गुना। अपने 7 लोकसभा क्षेत्र का दौरा करने के लिए गुना पहुंचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को वोट न देने की चेतावनी मिली तो वह एक व्यक्ति पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि यह भाषा उनके साथ इस्तेमाल मत करना। वीडियो बहुप्रसारित हो रहा है। गुलाबगंज क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने सिंधिया का काफिला रोककर वर्षा में खराब हुई सड़कों की शिकायत की। एक व्यक्ति ने इस बीच कह दिया कि इस बार समय से पहले रोड नहीं बना तो आप वोट के समय आएंगे, तो कोई वोट नहीं डालेगा। यह सुनते ही मंत्री सिंधिया भड़क गए। उन्होंने कहा कि यह भाषा मेरे साथ कभी उपयोग मत करना।

आप निवेदन करो, मेरी जिम्मेदारी है, काम करना है।

भोपाल कलेक्टर के नाम पर बनी फर्जी फेसबुक आइडी, अधिकारियों की तस्वीरें भी लगाईं

भोपाल। साइबर ठगों ने अब कलेक्टर के नाम और पहचान का इस्तेमाल कर इंटरनेट मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बना ली है। फेसबुक पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के नाम से बनाई गई फेक आइडी सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने लोगों को अलर्ट किया है। पुलिस और साइबर सेल फर्जी प्रोफाइल बनाने वाले की जानकारी जुटा रही है। फेसबुक पर 'प्रियंक मिश्रा आइएस' नाम से बनाई गई प्रोफाइल में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के साथ अपर कलेक्टर सुमित पांडेय और जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी की तस्वीरें लगाई गई हैं। इस्तेमाल से प्रोफाइल को आधिकारिक और भरोसेमंद दिखाने की कोशिश की गई है। यह पहला मामला नहीं है। कुछ समय पहले संभागयुक्त के नाम से भी फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल बनाई गई थी। पूर्व में देवास कलेक्टर की Facebook ID हैक हो गई थी, जो कि सोशल मीडिया में खूब चर्चा का विषय रहा। लेकिन बाद में उसका क्या हुआ, क्या हैकर पकड़ाया...? किसी को कोई जानकारी नहीं है आजतक।



भोपाल के निशातपुरा में दिनदहाड़े दोस्त का मर्डर, चलती बाइक पर सिर में मारी गोली

भोपाल। राजधानी के निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित कर्मावती अस्पताल के पास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रविवार सुबह आठ बजे एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। दिनदहाड़े चलती बाइक पर बैठे एक युवक को उसके ही दोस्त ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी तीसरे युवक को गन प्वाइंट पर लेकर मौके से फरार हो गया। इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी और थाना बल मौके पर पहुंच गया।

मछली पकड़ने जा रहे थे तीनों दोस्त : एसीपी निशातपुरा शशांक जैन ने बताया कि मृतक की पहचान 23 वर्षीय ताशी, निवासी गैस राहत कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड करोंद के रूप में हुई है, जो निजी काम करता था। रविवार सुबह ताशी ने अपने दोस्त इबाद को बुलाया था। दोनों मछली पकड़ने जा रहे थे। वापसी के दौरान सुबह करीब पौने सात बजे रास्ते में ताशी को उसके घर के पास रहने वाला आलिम उर्फ अल्लू मिला। आलिम ने भी मछली पकड़ने जाने की इच्छा जताई, जिसके बाद ताशी ने उसे अपनी बाइक के बीच में बैठा लिया। बाइक पर सवार होने के महज 10 से 15 मिनट के भीतर ही आलिम ने ताशी के सिर में पिस्टल से गोली मार दी।

गोली लगते ही बाइक से गिरे, मौके पर मौत : गोली चलते ही तीनों बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े और ताशी की मौके पर ही मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त संजीव पाठक ने बताया कि हत्या करने के बाद आरोपी आलिम ने ताशी के साथ मौजूद दूसरे दोस्त को पिस्टल की नॉक पर धमकाया और उसे गन प्वाइंट पर अपने साथ भगा ले गया। आरोपी सिंधी कॉलोनी के बाहर बाइक से कूदकर फरार हो गया। इसके बाद डरे-सहमे युवक ने मृतक के स्वजन और पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के समय काफी लोग जमा हो गए थे। पुलिस ने बल की मौजूदगी में पीएम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि करीब 20 से 25 दिन पहले ताशी और आरोपी के बीच किसी बात को लेकर मारपीट हुई थी, हालांकि तब आपसी समझाइश से मामला शांत हो गया था और थाने में शिकायत नहीं हुई थी, लेकिन आरोपी के मन में रंजिश पल रही थी।

India-West Indies T20 मैच के लिए इंदौर का होलकर स्टेडियम तैयार, मैदान पर दिखेगा चेक्स पैटर्न

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

इंदौर। इंदौर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए 11 अक्टूबर का दिन बेहद रोमांचक होने वाला है, क्योंकि इस दिन स्थानीय होलकर स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। मैच को लेकर तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं। दर्शकों और टीवी स्क्रीन पर मैच देखने वालों को एक नया अनुभव देने के लिए इस बार मैदान की आउटफील्ड पर घास को एक खास 'चेक्स' (चौकड़ी) पैटर्न में काटा जा रहा है। इस रोमांचक मुकाबले के लिए दोनों देशों की टीमों 10 अक्टूबर को चार्टर्ड प्लेन के जरिए इंदौर पहुंचेंगी। 28 सितंबर से शुरू होगी पिच पर रोलिंग।

किसी भी क्रिकेट मैच का सबसे अहम हिस्सा उसकी पिच होती है, जिसे लेकर मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। रविवार के दिन बीसीसीआई के पिच क्यूरेटर तापोष चटर्जी ने



स्टेडियम का दौरा किया और मैदान तथा पिच की स्थिति का जायजा लिया।

के दौरान एमपीसीए के पिच क्यूरेटर मनोहर जामले ने उन्हें बताया कि बारिश के बावजूद पिच का शुरुआती बेस पहले ही तैयार कर लिया गया है। फिलहाल ग्राउंड स्टाफ का पूरा ध्यान काली मिट्टी वाली इस पिच की घास को और अधिक स्वस्थ बनाने पर है। तैयारी को पुख्ता करने के लिए 28 सितंबर से पिच पर रोलिंग का

काम शुरू कर दिया जाएगा।

एलईडी बोर्ड लगने के बाद फाइनल होगी बाउंड्री

मैदान को आकर्षक बनाने के साथ-साथ तकनीकी काम भी तेजी से चल रहा है। आउटफील्ड में चेक्स डिजाइन उभारने के अलावा जंगली घास को हटाने और पानी डालकर घास को सेट करने का काम लगातार जारी है। इसके साथ ही बाउंड्री लाइन पर डिजिटल

एलईडी बोर्ड लगाए जाने हैं। इन स्क्रीन्स के लगने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही बाउंड्री को अंतिम रूप दिया जाएगा।

25 सितंबर से बुक कर सकेंगे टिकट

स्टेडियम में बैठकर मैच का लुफ्त उठाने वाले फैंस के लिए अच्छी खबर है। इस अहम मुकाबले के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की शुरुआत 25 सितंबर से हो जाएगी।

जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस के 19 और भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस के 7 फेरे होंगे रद्द

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

जबलपुर। बीना-आगासौद के बीच यार्ड रीमाडलिंग के चलते जबलपुर और आसपास के यात्रियों की कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस के 19 फेरे निरस्त किए गए हैं। गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस 26 सितंबर से 14 अक्टूबर तक और ट्रेन 12191 हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस 27 सितंबर से 15 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी।

बीना-कटनी मुड़वारा मेमू के फेरे 15 अक्टूबर तक

इसी तरह बीना-कटनी मुड़वारा मेमू के दोनों दिशाओं के 19-19 फेरे 21 सितंबर तथा 28 सितंबर से 15 अक्टूबर तक रद्द रहेंगे। भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस के सात-सात फेरे भी नौ से 16 अक्टूबर के बीच प्रभावित होंगे। रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर और भोपाल-खजुराहो महामना एक्सप्रेस का भी एक-एक फेरा निरस्त रहेगा।



कटनी-बीना मेमू 15 अक्टूबर तक खुरई तक चलेगी

कटनी-बीना मेमू 29 सितंबर से 15 अक्टूबर तक बीना के बजाय खुरई तक चलेगी और वापसी में खुरई से शुरू होगी। बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस बीना मालखेड़ी जंक्शन तक शॉर्ट टर्मिनेट होगी। भोपाल-बीना मेमू सहित चार ट्रेनों का संचालन मंडीबमौरा तक सीमित रहेगा।

शताब्दी एक्सप्रेस रानी कमलापति के बजाय ललितपुर तक

शताब्दी एक्सप्रेस भी 15 अक्टूबर को रानी कमलापति के बजाय ललितपुर तक चलेगी। मालूम हो कि यार्ड रीमाडलिंग का कार्य एक सितंबर से 15 अक्टूबर तक चरणबद्ध रूप से चल रहा है। यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जरूर जांचने की सलाह दी गई है।

विद्यार्थियों के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने को सरकार है संकल्पित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्कूटी केवल वाहन नहीं,
विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और
आत्मविश्वास का है पुरस्कार

सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को मिल रहे आगे बढ़ने के बेहतर अवसर

बेटियों को अवसर मिलने से
परिवार और समाज दोनों होते हैं
सशक्त

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों को पुरस्कृत करना परिवार , समाज और सरकार का दायित्व है। विद्यार्थियों के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। आर्थिक कठिनाइयों अथवा संसाधनों की कमी के कारण किसी भी प्रतिभावान विद्यार्थी की प्रगति नहीं रुकनी चाहिए। मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही स्कूटी केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और परिश्रम के पुरस्कार के साथ आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल के सुभाष स्कूल में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में कक्षा-12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत स्कूटी वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12 वीं में प्रथम



प्रयास में ही 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान पर आना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शनिवार को समारोहपूर्वक प्रदेश के 7400 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की गई।

कक्षा की सफलता से कैरियर के सपनों तक, विद्यार्थियों को सतत प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूटी योजना उन विद्यार्थियों के परिश्रम और प्रतिभा का सम्मान है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में अध्ययन कर के बीच अपने परिवार और समाज को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विद्यार्थियों को निःशुल्क किताबें, सगणवेश और साइकिलें भी उपलब्ध करा रही है, ताकि आर्थिक परिस्थितियाँ धनकी पढ़ाई में बाधा न बनें। आज प्रदेश के बच्चे पढ़-लिखकर पारंपरिक व्यवसायों और

खेती-किसानी में भी नई संभावनाएं तलाश रहे हैं। कई विद्यार्थी एग्रीकल्चर स्टार्ट-अप शुरू कर परिवार की आय बढ़ाने का सपना देख रहे हैं। आधुनिक तकनीक और नवाचार से कृषि को लाभ का बेहतर माध्यम बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति उनकी स्पष्ट सोच की सराहना करते हुए कहा, हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि किसान और सामान्य परिवारों से आने वाले विद्यार्थी भी आज चार्टेड एकांटेड चिकित्सक, अधिवक्ता, कृषि वैज्ञानिक और उद्यमी बनने के सपने देख रहे हैं। विद्यार्थियों की यह सोच नए और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की पहचान है। देश और प्रदेश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने के साथ उन्हें साकार करने के लिए परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेटियों को शिक्षा और आगे बढ़ने के अवसर मिलने से केवल उनका जीवन नहीं बदलता, बल्कि पूरे परिवार और

समाज का वातावरण सकारात्मक बनता है। मेधावी बेटियों को स्कूटी मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने की राह अधिक सुगम होगी। राज्य सरकार विद्यार्थियों को न्यूनतम आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर और समर्थ बनाना चाहती है।

राज्य सरकार शिक्षा, विद्यार्थियों और प्रदेश के सर्वांगीण विकास को दे रही है सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के विस्तार और गुणवत्ता सुधार के लिए बजट में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। आजादी के बाद 1956 में मध्यप्रदेश की स्थापना हुई। राज्य का कुल बजट 55 साल में केवल 22 हजार करोड़ रुपए था और वर्ष 2002-03 तक स्कूल शिक्षा विभाग का बजट मात्र 2600 करोड़ रुपए था। हमारी सरकार ने वर्ष 2025-26 में कुल 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया , इसमें स्कूल शिक्षा के लिए 38 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान है। यह वृद्धि बताती है कि राज्य सरकार शिक्षा, विद्यार्थियों और प्रदेश के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 2002-03 तक प्राथमिक स्कूलों में ड्रॉप आउट दर 16 प्रतिशत थी, जो वर्तमान में शून्य हो चुकी है। प्रदेश में सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं, जो सुविधाओं और पढ़ाई के मामले में निजी स्कूलों को भी पीछे छोड़

रहे हैं। इन विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जा रहा है। अब बोर्ड परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में 50 प्रतिशत विद्यार्थी सांदिपनि और शासकीय स्कूलों से आ रहे हैं। सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना अर्थात् उन्हें उनकी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के अवसर देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कठिनाई के दौर से निकले और तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। हम सबने 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री मोदी का ऐतिहासिक जन्मोत्सव मनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), डिजिटल भुगतान व्यवस्था और कोविड-19 टीकाकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डीबीटी के माध्यम से सरकारी योजनाओं की सहायता सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश-प्रदेश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। हमारे बच्चे पढ़-लिखकर सीए बनना चाहते हैं, यह देश की निरंतर बेहतर होती अर्थव्यवस्था का संकेत है। भारत आज दुनिया में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है, कुछ वर्षों में भारत, दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनकर उभरेगा। दुनिया के समाने बड़ी से बड़ी चुनौती से निपटने के लिए भारतवासी पूरी तरह सक्षम हैं। राज्य सरकार युवाओं की शक्ति और प्रतिभा का सम्मान करते हुए अमृतकाल में विकसित भारत @2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

**सूर्य देवता की भाँति अग्निवर्ण वस्त्र धारण कर संत
स्वयं कुध नहीं चाहते, किंतु सभी वर्गों के कल्याण
की करते हैं कामना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव**

संतों के मुखारविंद से जो वाणी निकलती है, उससे धन्य हो जाता है
संपूर्ण वातावरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्रह्मलीन
गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी
महाराज के 94वें प्राकट्य दिवस
महोत्सव में हुए शामिल

जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद
गिरि जी महाराज के पावन सान्निध्य
में हुआ भव्य आयोजन

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को उज्जैन में अनंत श्री विभूषित, निवृत्त जगद्गुरु शंकराचार्य महामंडलेश्वर, विश्वविख्यात भारत माता मंदिर (हरिद्वार) के संस्थापक ब्रह्मलीन पूज्यपाद गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के 94वें प्राकट्य दिवस महोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संन्यास मार्ग से जुड़कर समाज के लिए जीने वाले हमारे संतवृंद अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ समाज की बाधाओं, विकास के मार्गों और चुनौतियों पर चिंतन कर हमें सही दिशा दिखाते हैं। यह हमारी सनातन संस्कृति की अद्भुत धरोहर है। सूर्य देवता की भाँति अमिवर्ण वस्त्र धारण कर संत स्वयं कुछ नहीं चाहते, किंतु गृहस्थ से लेकर सभी वर्गों के कल्याण की कामना करते हैं। संतों के मुखारविंद से जो वाणी निकलती है, उससे संपूर्ण वातावरण धन्य हो जाता है। सनातन धर्म की ध्वजा आज देश और दुनिया में लहरा रही है। बाबा महाकाल की नुनी में पद्म विभूषण पंडित सूर्यनारायण व्यास से



जुड़े प्रसंग और यहाँ की ज्योतिष परंपरा के चमत्कार भी हमें स्मरण रहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्रह्मलीन गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के प्राकट्य दिवस के भव्य आयोजन के लिए सभी को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं। अतिथियों द्वारा पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्रह्मलीन गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज सनातन धर्म, वैदिक संस्कृति एवं राष्ट्रभाव के तेजस्वी प्रवक्ता रहे। उन्होंने हरिद्वार में विश्वविख्यात भारत माता मंदिर की स्थापना की। निवृत्त जगद्गुरु शंकराचार्य एवं महामंडलेश्वर के रूप में उन्होंने देश-विदेश में भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का प्रसार किया। उनके 94वें प्राकट्य दिवस पर उज्जैन में आयोजित यह महोत्सव उनकी दिव्य स्मृति, उपदेशों एवं राष्ट्र-धर्म की सेवा को समर्पित है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि बाबा महाकाल की धरती पर दो वर्ष बाद सिंहशालि महापर्व होने जा रहा है। संतों के मार्गदर्शन और कल्याण के भाव हम सभी को मिलते रहते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिये प्रदेश सरकार हर प्रकार का प्रबंधन कर रही है। प्रत्येक बारह वर्ष बाद आयोजित होने वाले सिंहस्थ में सरकार द्वारा निरंतर विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है। आधारभूत संरचना के कार्य चल रहे हैं,

किंतु आध्यात्मिक चेतना का जो महत्व है, उस पर भी सरकार विशेष प्रयास कर रही है। वर्ष 2022 में श्री महाकाल महालोक बनने के बाद धार्मिक पर्यटन के केंद्र उज्जैन में निरंतर श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। गत वर्ष 8 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने उज्जैन के दर्शन किए। इस वर्ष यह तीर्थयात्रियों की संख्या 12 करोड़ के पार जाने वाली है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्रह्मलीन गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के प्राकट्य दिवस के भव्य आयोजन के लिए सभी को अपनी ओर से शुभकामनाएँ दीं। उज्जैन धर्म की राजधानी तो है ही, काल गणना की नगरी भी है, विज्ञान की धरती है, आध्यात्मिकता और दर्शन की धरती है। वैदिक काल गणना को पुनः प्रतिष्ठित करते हुए आधुनिक दृष्टि से वेधशाला भी विकसित की गई है। तीन सौ वर्ष पूर्व तक विश्व में समय निर्धारण उज्जैन से होता था। उत्तरायण, दक्षिणायन और सूर्य मध्याह्न जैसी गणनाओं के मूल सिद्धांत यहाँ जीवन्त हैं। वर्तमान में आईटी पार्क से लेकर डीप टेक रिसर्च पार्क तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार-व्यवसाय का केंद्र भी इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। प्रदेश को जो संभावनाएँ बनी हैं, वे संत जनों के आशीर्वाद से ही संभव हुई हैं।

सतना बेल्ट में भी सिंचाई के लिए
नहरों से लाया जाएगा नर्मदा का
पानी, बढ़ेगा सिंचाई का रकबा
मसालों की खेती को करेंगे
प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली किया संबोधित

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ पशुपालन को प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराकर आधुनिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित धान की शासकीय स्तर पर खरीदी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को सतना कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उद्घाटन से वचुंअली संबोधित किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। किसानों और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सतना बेल्ट में भी सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी लाया जाएगा। नहरों से

सिंचाई का रकबा बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से मंदाकिनी नदी में भी पानी पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सतना क्षेत्र में हल्दी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। क्षेत्र की कृषि क्षमता को देखते हुए मसाला फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे किसानों को विविध फसलों के माध्यम से अतिरिक्त आय के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना के ग्राम सोहावल के किसान श्री शांतिनारायण पांडे से संवाद किया। किसान श्री पांडे ने मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना और उसके संचालन के संबंध में बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य किसानों से भी कृषि के साथ पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम झरी मझगांव के प्रगतिशील कृषक श्री अनिल उपाध्याय से भी संवाद किया। श्री उपाध्याय जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक कृषि को अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने का आह्वान किया। सतना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र, मझगांव के वैज्ञानिकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी, सहकारिता सहित विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकी गतिविधियों की जानकारी दी गई।

इंदौर में 'छात्रों की गूंज'... राहुल गांधी ने कहा- सिस्टम नहीं चाहता कोई सवाल पूछे, इसलिए अंधभक्त पैदा करता है



कोबरा डॉट कॉम । न्यूज

इंदौर। राहुल गांधी इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के लिए IDA ग्राउंड पर 20 से 25 हजार युवा पहुंचे थे। राहुल गांधी ने इस कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार, पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

इंदौर के छात्रों की गूंज

राहुल गांधी ने कहा स्टूडेंट को सिस्टम कैसे बनाना, कैसे सिस्टम को चैलेंज करेंगे इंदौर के छात्रों के गूंज का मुद्दा है। छात्र में जिज्ञासा होती है, सवाल पूछते हैं, छात्र नफरत नहीं करते प्यार से बताते करते हैं। छात्र निडर, दूसरी सोच को समझने की कोशिश करते हैं डराते नहीं हैं। ईमानदारी से देश बनता है और ये क्वालिटी भारत के हर युवा में है इन्ही क्वालिटीज को सुरक्षित रखना है।

राहुल गांधी ने कहा, "आपने मेरा जिस तरह स्वागत किया, उसके लिए धन्यवाद। मैं यहां आकर बहुत खुश हूँ।" उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोटा, देहरादून और पुणे के बाद अब इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। राहुल ने कहा कि हर शहर में कार्यक्रम के दौरान छात्रों से जुड़े मुद्दे और उनके भविष्य से जुड़े सवाल उठाए जाते हैं। इनमें पेपर लीक, संस्थागत विफलता, इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, शिक्षा की बढ़ती लागत और निजीकरण जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा, "इंदौर में हमने तय किया है कि आज का विषय 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' होगा। छात्र बताएंगे कि सिस्टम क्या है, वह छात्रों को कैसे प्रभावित कर रहा है और किस तरह छात्रों के भविष्य के सामने चुनौतियां खड़ी हो रही हैं।"

राहुल गांधी ने कहा कि कार्यक्रम में कई युवा मंच पर आकर अपने दिल की बात रखेंगे। इसके साथ ही उन्होंने इंदौर के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की शुरुआत की।

आज स्टूडेंट खुश नहीं- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि अगर आज हम स्टूडेंट्स से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। स्टूडेंट्स असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य नहीं दिख रहा और वे दबाव में हैं। उन्होंने कहा कि आइए, स्टूडेंट्स की आवाज सुनते हैं। आप सिस्टम के बारे में क्या कह रहे हैं, उसे सुनते हैं। छात्रों के मन में यह सवाल है कि परीक्षा पर भरोसा कैसे किया जाए? कैसे भरोसा करें कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है? कैसे पता चले कि किसी परीक्षा में सही तरीके से चयन हुआ है या नहीं?

राहुल बोले- कैंडिडेट्स की भी गलती, युवा बोले- हम सिस्टम से हार गए

राहुल गांधी ने कहा- परीक्षाओं के दौरान कुछ अभ्यर्थियों की भी गलती हुई है, लेकिन कहीं न कहीं उनका सिस्टम पर भरोसा खत्म हो गया है। इसके बाद छात्रों की ओर से आवाज आई- "सर, हम सिस्टम से हार गए।" राहुल ने कहा कि सिस्टम के अंदर बैठे कुछ लोग



भ्रष्ट हो जाते हैं। पैसे के चक्कर में पेपर लीक कर देते हैं और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भ्रष्ट लोग परीक्षा व्यवस्था में रहेंगे और परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट होगी, तो इसका नुकसान बच्चों को उठाना पड़ेगा। एमपी पीएससी में 13 प्रतिशत पर कोर्ट का हवाला देकर रिजल्ट होल्ड कर रही सरकार, कई भर्ती नहीं हो रही निजीकरण हो रहा। राजगढ़ की सपना गुर्जर बोली कांग्रेस ने 14 से 24 प्रतिशत आरक्षण किया भाजपा ने रोक लगाई। एक लाख 87 हजार युवा इंतजार कर रहे।

राहुल बोले- सिस्टम की टॉप लेयर पर 6 लोग

राहुल ने स्क्रीन पर स्लाइड दिखाई। इसके बाद बोले- तीन फ्रेंड ने सिस्टम की बात की। सिस्टम क्या है, सिस्टम में कई लेयर हैं, टॉप लेवल पर 6 लोग बैठे हैं। इसे मोदी चलाते हैं। धमकाने का काम, उन्हें मारने का काम, पैलेट गन मारने का काम शाह करते हैं। उस तरफ शायद आपको उनको पहचानों या न पहचानों अजित डोभाल कहते हैं कि देश को कंट्रोल करना है तो 500 लोगों को कंट्रोल करने की जरूरत है। ये देश के कम्यूनिकेशन पर कब्जा किए हैं। ये फोन टैपिंग कराते हैं, ये मोदी-शाह को सूचना देते हैं। आपके फोन के अंदर डोभाल बैठे हैं। बीच में भागवत जी है जो विचारधारा की बात करते हैं जिनके संगठन को हजारों करोड़ मिलते हैं। वहीं दूसरी तरफ अंबानी और अडाणी है। ये लोग फाइनेंस करते हैं। पैसा घुमाकर भाजपा को दिया जाता है।

इस लेयर के नीचे हर संस्था को कैप्चर करके रखा है। इसमें मीडिया, एंटरटेनमेंट, न्याय सभी में एक-एक आदमी बिठा रखा है। जैसे देश में कई क्रिकेटर्स हैं लेकिन सिस्टम ने शाह के बेटे को क्रिकेट का ठेका दे दिया है। यहां डेमोक्रेसी की बात होती है लेकिन सिस्टम अपने आदमी को बिठा देता है। राहुल गांधी ने कहा कि अब इंटरैस्टिंग बात बताता हूँ। सिस्टम को स्टूडेंट से खतरा है। क्यों खतरा है, क्योंकि स्टूडेंट सवाल पूछता है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट सवाल करता है कि अमित शाह जी के बेटे क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमैन कैसे बन गए? स्टूडेंट पूछता है कि हिंदुस्तान के पूरे बिजनेस को दो लोगों ने कैसे कैप्चर कर लिया? स्टूडेंट यह भी पूछता है कि ज्युडिशियरी और बाकी संस्थाएं अपना काम क्यों नहीं करतीं और इलेक्शन कमीशन अपना काम क्यों नहीं करता? इसीलिए सिस्टम स्टूडेंट नहीं चाहता, सिस्टम अंधभक्त चाहता है। उन्होंने कहा कि अंधभक्त कौन है? अंधभक्त एंटी-स्टूडेंट है। जहां स्टूडेंट सवाल



पूछता है, जहां स्टूडेंट क्यूरियस है, वहां अंधभक्त डेलूजनल है, अपनी दुनिया में रहता है। राहुल ने कहा कि जहां स्टूडेंट मोहब्बत की बात करता है और प्यार व सम्मान से बात करता है, वहां अंधभक्त नफरत फैलाता है। जहां स्टूडेंट हम्बल होता है, दूसरों की बात सुनता है, वहां अंधभक्त अहंकार से भरा और एगोेंट होता है। उन्होंने कहा कि जहां स्टूडेंट डरता नहीं है और निडर होता है, वहां अंधभक्त डरपोक होता है। राहुल के मुताबिक, जहां स्टूडेंट महिलाओं का सम्मान करता है, वहां अंधभक्त पेट्रियार्कल होता है और महिलाओं पर हमला व उनका अपमान करता है। राहुल गांधी ने कहा कि जहां स्टूडेंट ईमानदार होता है, वहां अंधभक्त डिसऑनेस्ट और झूठा होता है।

'सिस्टम चलाने वालों के बच्चे विदेश में पढ़ रहे'

राहुल गांधी ने कहा कि सिस्टम को चलाने वाले बच्चों को देखिए वे इंदौर में पढ़ रहे हैं या विदेश में। ये देश के युवाओं को अंधभक्त बनाना चाहते हैं। अपने बच्चों को बाहर भेजेंगे पढ़ने के लिए। हमने शुरुआत में कहा कि स्टूडेंट देश को बनाता है, शिक्षा देश की नींव है, यह हर स्टूडेंट का हक है। स्कूल मिडडे मील से लेकर कॉलेज और कॉलेज से रोजगार तक पहुंचाना, ये सरकार का काम है।

'सिस्टम नहीं चाहता कि कोई सवाल पूछे'

राहुल स्टूडेंट्स से बात करते हुए स्टूडेंट और अंधभक्त के बीच 4 अंतर गिनाए। उन्होंने कहा कि जहां स्टूडेंट सवाल पूछता है वहां अंधभक्त डेल्यूजनल है, जहां स्टूडेंट मोहब्बत की बात करता है अंधभक्त नफरत फैलाता है, जहां स्टूडेंट निडर होता है वहां अंधभक्त डरपोक होता है। जहां स्टूडेंट महिलाओं की इज्जत करता है अंधभक्त महिलाओं का अपमान करता है। इसके बाद उन्होंने कहा कि सिस्टम नहीं चाहता कि स्टूडेंट सवाल पूछे इसलिए सिस्टम अंधभक्त को तैयार करता है, उन्हें प्रमोट करता है।

'शिक्षा लजरी नहीं, हर स्टूडेंट का हक'

राहुल ने कहा कि स्टूडेंट देश का फाउंडेशन होता है। स्टूडेंट देश को बनाता है। शिक्षा कोई लजरी नहीं है, हर स्टूडेंट का हक है। किंडर से मिड डे मील, स्कूल, कॉलेज और रोजगार, ये आपका काम नहीं है। ये हिंदुस्तान की सरकार का काम है। सरकार को सिस्टम चलाना चाहिए, मगर देश में उलटा हो रहा है।

500 रुपये रिश्वत मांगने के मामले में कोऑर्डिनेटर नीलम तिवारी को अदालत ने 3 साल की सजा सुनाई

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज

छतरपुर। शौचालय निर्माण के नाम पर 500 रुपये रिश्वत मांगने के मामले में छतरपुर जनपद की तत्कालीन ब्लॉक कोऑर्डिनेटर नीलम तिवारी को अदालत ने 3 साल की सजा सुनाई है। लोकायुक्त पुलिस ने 18 फरवरी 2020 को उन्हें रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था। अभियोजन के मुताबिक, नीलम तिवारी पर प्रत्येक शौचालय के एवज में 500 रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायत के बाद लोकायुक्त ने ट्रेप कार्रवाई की थी। करीब



छह साल चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद न्यायाधीश आशीष श्रीवास्तव की अदालत ने नीलम तिवारी को दोषी ठहराते हुए तीन साल के कारावास की सजा सुनाई है।

शाजापुर में NH-52 पर कंटेनर से खतरनाक स्टंट, पुलिस ने की कार्रवाई

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज

शाजापुर। NH-52 पर कंटेनर से खतरनाक स्टंट करने का वीडियो वायरल होने के बाद सुनेरा थाना पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, कंटेनर चालक शराब के नशे में वाहन को सड़क पर लहराते हुए चला रहा था, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी चालक को पकड़ा। कंटेनर जब्त कर चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद सड़क पर इस तरह की लापरवाही और खतरनाक ड्राइविंग



करने वालों में हड़कंप है।

बदहाल सड़क को लेकर नागरिकों ने सिंधिया को सौंपा ज्ञापन

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज

गुना। गुना में बदहाल सड़क को लेकर नागरिकों ने सिंधिया को सौंपा ज्ञापन, वोट न देने की चेतावनी पर बोले—'यह भाषा मेरे साथ कभी उपयोग मत करना' गुना में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दौरे के दौरान गुलाबगंज क्षेत्र के नागरिकों ने बदहाल सड़क की समस्या को लेकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। नागरिकों ने सड़क का जल्द निर्माण करने की मांग रखी। इस दौरान कुछ नाराज ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो वे आगामी चुनावों में वोट नहीं देंगे। इस पर सिंधिया



ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "यह भाषा मेरे साथ कभी उपयोग मत करना।" इसके बाद उन्होंने नागरिकों की पूरी समस्या सुनी और सड़क से जुड़े मुद्दे के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। घटना के बाद से यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर वाहनों पर पथराव, BJP नेता की कार समेत आधा दर्जन से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज

रतलाम। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे (एटलेन) पर झाबुआ जिले के थांदला के पास शनिवार रात करीब 11 बजे आधा दर्जन से अधिक वाहनों पर पथराव की घटना सामने आई है। इनमें भाजपा नेता सोनू यादव की कार भी शामिल है। पथराव से कुछ वाहनों के कांच टूट गए, जबकि कुछ की बॉडी क्षतिग्रस्त हुई। कुछ लोगों को चोट लगने की भी जानकारी सामने आई है। घटना के दौरान एक कार में सवार लोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाकर पथराव की घटना को लाइव कैप्चर किया। वाहन सवारों ने धामनोद टोल नाके पर पहुंचकर पुलिस को शिकायत की।

सूचना मिलने पर रतलाम से पुलिस बल मौके के लिए रवाना हुआ। थांदला से एटलेन पर चढ़ते ही झाबुआ जिले की सीमा में पथराव की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी यहां वाहनों पर पथराव हो चुका है। इसी महीने 8 सितंबर को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के गवर्नर संस्कार कोठारी की कार पर भी पत्थर लगा था। चालक कार को रोके बिना धामनोद टोल तक पहुंचा था। इससे पहले छह वाहनों पर पथराव की एक अन्य घटना भी सामने आई थी। भाजपा नेता सोनू यादव ने बताया कि उनके दोस्त कार लेकर दाहोद गए थे। लौटते समय थांदला से करीब 10 किलोमीटर आगे उनकी कार पर पत्थर आकर लगा, जिससे साइड ग्लास टूट गया।